नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

तृणमूल भी खत्म

ममता गुट का नाम ममता ऑल इंडिया टीएमसी व चिन्ह फुटबॉल खिलाड़ी

अरूप राय खेमे को नाम डेमोक्रेटिक टीएमसी व चिन्ह लिफाफा मिला

नवभारत न्यूज
नई दिल्ली, 18 सितंबर. देश की राजनीति में 18 सितंबर 2026 अब एक एतिहासिक तारीख में रूप में दर्ज होगी. तीन दशक से राष्ट्रीय दल के रूप में अपना बजूद बनाए रखने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक तरह से खत्म हो गई.

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों को नए नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए. ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट का नाम ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस होगा. वहीं, उन्हें फुटबॉल खिलाड़ी चुनाव चिह्न मिला है. वहीं, अरूप रॉय के नेतृत्व वाले टीएमसी के बागी गुट का नाम डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस दिया गया है. इस गुट को लिफाफा चुनाव चिह्न मिला है. यह तीसरा मौका है जब किसी राष्ट्रीय दल का बजूद बगावत के चलते खत्म हुआ है. इससे पहले बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी भी बगावत के चलते खत्म हुई और चुनाव चिन्ह फ्रीज होने बाद अलग-अलग नाम व चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए थे.

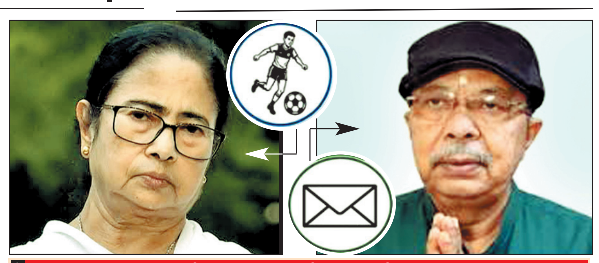

नंदीग्राम प्रत्याशी ने छोड़ी ममता

इधर, पश्चिम बंगाल में उपचुनाव से 18 दिन पहले ममता गुट की महिला कैंडिडेट संचिता प्रधान डे ने शुक्रवार को नंदीग्राम सीट से नामांकन वापस ले लिया है. संचिता ने इससे पहले बंगाल सीएम शुभेंदु से मुलाकात की थी. हालांकि रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी मैदान में बने रहेंगे. इसके बाद ममता ने नंदीग्राम में कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को समर्थन देने की बात कही है.

अब पार्टी भी चोरी : राहुल

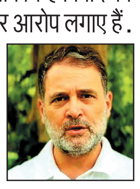

राहुल गांधी ने टीएमसी के नाम और चुनाव चिन्ह विवाद को लेकर चुनाव आयोग, बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि शिवसेना, एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस में एक ही पैटर्न देखा जा रहा है. चुनाव आयोग और बीजेपी मिलकर पार्टी को तोड़ते हैं और चुनाव चिन्ह छीन लेते हैं. बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं. इसके बाद पार्टी का चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है.

कांग्रेस 'भस्मासुर' है : रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस के उन आरोप पर पलटवार किया है जिसमें कहा गया था कि बीजेपी दूसरी पार्टियों को तोड़ती है. रिजिजू ने कहा, कांग्रेस पार्टी खुद 'भस्मासुर' है जो अपने संपर्क में आने वाली हर पार्टी को जलाकर राख कर देती है. टीएमसी और एनसीपी दोनों कांग्रेस से ही निकली थी. कांग्रेस हम पर आरोप लगा रही है, लेकिन वे खुद भी दूसरी पार्टी से अलग होकर बने थे.

पाक में नमाज के दौरान 'सुसाइड ब्लास्ट' 15 मरे

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट में शुक्रवार की नमाज के दौरान ओल्ड पुलिस लाइंस के पास जोरदार धमाका हुआ. इस हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं. पुलिस के अनुसार, विस्फोटकों से लदा एक वाहन ओल्ड पुलिस लाइंस के गेट से टकरा गया, जिसके बाद धमाका हुआ और गोलीबारी की आवाज भी सुनी गई. विस्फोट के बाद मस्जिद के बाहर गड्ढा बन गया, मस्जिद के बाहरी हिस्से को नुकसान पहुंचा और एक दीवार ढह गई. धमाके में आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है.

रिलीजन का मतलब धर्म नहीं : भागवत

उज्जैन के गीता भवन में आयोजित युवा धर्म संसद को किया संबोधित

नवभारत न्यूज़
उज्जैन, 18 सितंबर. रिलीजन का मतलब धर्म नहीं होता. अंग्रेजी शब्दकोश में धर्म के लिए कोई सटीक शब्द ही नहीं है. रिलीजन शब्द की उत्पत्ति रिलिजियो से हुई है, जो बांधने का संकेत देता है, जबकि धर्म किसी को बांधता नहीं, बल्कि मुक्त करता है.

पाश्चात्य संस्कृति इसके कर्मकांड को मिटाना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है.यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कही. वे उज्जैन के देवास रोड स्थित गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद को संबोधित कर रहे थे.

दूसरे दिन संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म का वास्तविक अर्थ समझाया और जीवन में इसके महत्व पर मार्गदर्शन दिया. उन्होंने अपने उद्बोधन में रिलीजन और धर्म का अंतर स्पष्ट किया. धर्म संसद में देशभर से लगभग 1,700 युवा छात्र-छात्राएं तथा 300 से अधिक विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य हिस्सा ले रहे हैं. प्रसिद्ध पटकथा लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी कार्यक्रम में शामिल हुए.

युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म केवल बुजुर्गों के लिए नहीं है बल्कि यह युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम है. उन्होंने कहा कि महाभारत के अंत के पांच श्लोक पूरी महाभारत का सार हैं. जीवन में धर्म से ही काम, अर्थ और मोक्ष की प्राप्ति होती है. उन्होंने कहा कि धर्म पर रोते-रोते चलने के बजाय यदि इसे समझकर अपनाया जाए, तो जीवन सार्थक हो जाता है.

नेस्ले पर कसा शिकंजा

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क
नई दिल्ली, 18 सितंबर. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने नेस्ले इंडिया लिमिटेड के शिशु पोषण उत्पादों से जुड़े विज्ञापनों और गुणवत्ता मानकों को लेकर कार्रवाई की है.

मामला कंपनी के एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 और लैक्टोजेन प्रो 1 फॉर्मूला मिल्क उत्पादों के प्रचार में किए गए पोषण संबंधी दावों से जुड़ा है. नियामक की जांच में कुछ दावों को निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाया गया.

एफएसएसआई के अनुसार, एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 के ऑनलाइन प्रचार में '5 एचएमओ' और 'छाछ प्रोटीन' से संबंधित दावे किए गए थे. वहीं लैक्टोजेन प्रो 1 के विज्ञापन में व्हे प्रोटीन के आसानी से पचने संबंधी दावा किया गया. प्राधिकरण ने ई-कॉमर्स मंचों पर उपलब्ध प्रचार सामग्री की भी जांच की और कंपनी से इन दावों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा.

एफएसएसआई का मानकों को लेकर एक्शन

सुप्रीम कोर्ट खुद देखेगा नीट सिस्टम

सुनवाई के दौरान एनटीए के इंतजामों पर दिखाई सख्ती

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क
नई दिल्ली, 18 सितंबर. नीट परीक्षा व्यवस्था में सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम टिप्पणी की.

कोर्ट ने कहा कि जरूरत महसूस होने पर उसके न्यायाधीश राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय का दौरा कर सकते हैं. इस दौरान यह देखा जाएगा कि परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए किए गए इंतजाम जमीन पर किस तरह काम कर रहे हैं. जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की पीठ एनटीए में संरचनात्मक सुधार से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की है.

निठारी कांड के आरोपी कोली ने लगाई फांसी

नवभारत न्यूज नेटवर्क
हरिद्वार/नोएडा, 18 सितंबर. निठारी कांड के चर्चित आरोपी सुरेंद्र कोली की शुक्रवार को हरिद्वार में मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, उसका शव भूपतवाला इलाके में चाय की दुकान के भीतर फंदे से लटका मिला.

मौके से कोई सुसाइड नोट मिलने की जानकारी नहीं है. प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मौत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है. निठारी कांड दिसंबर 2006 में उस समय सामने आया था, जब नोएडा के सेक्टर-31 स्थित डी -5 मकान के पीछे नाले और आसपास के क्षेत्र से मानव अवशेष बरामद हुए. यह मकान कारोबारी मोनिंदर सिंह पंढेर का था और कोली वहां घरेलू सहायक के तौर पर काम करता था. मामले की शुरुआती जांच के बाद सीबीआई को जांच सौंपी गई.

1500 रुपए तक महंगे हुए पासपोर्ट

नियमों में हुए कई बदलाव, तत्काल सेवा पर भी पड़ेगा असर

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क
नई दिल्ली, 18 सितंबर. विदेश मंत्रालय ने सामान्य पासपोर्ट की फीस बढ़ा दी है. नई शुल्क व्यवस्था के तहत वयस्कों के लिए 36 पेज के सामान्य पासपोर्ट की कीमत 1,500 बढ़कर 2,500 रुपये हो गई है. वहीं 60 पेज वाले पासपोर्ट का शुल्क 2,000 रुपये से बढ़कर 3,500 रुपये किया गया है. नाबालिगों के 36 पेज के नए या दोबारा जारी होने वाले सामान्य पासपोर्ट की फीस अब 1,750 रुपये होगी. पहले इसके लिए 1,000 रुपये लिए जाते थे. इसी तरह नाबालिगों के 36 पेज वाले पासपोर्ट के तत्काल आवेदन पर अब 3,000 रुपये शुल्क देना होगा. 8 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 60 वर्ष से अधिक के लोगों के नए पासपोर्ट पर 10 प्रतिशत की छूट जारी रहेगी.

खोने पर 3000 तक फीस बढ़ी

36 पेज वाले तत्काल पासपोर्ट के लिए अब 5,000 रुपये देने होंगे, जबकि पहले शुल्क 3,500 रुपये था. 60 पेज वाले तत्काल पासपोर्ट की फीस 4,000 रुपये से बढ़कर 6,000 रुपये कर दी गई है. 60 पेज का पासपोर्ट खोने या क्षतिग्रस्त होने के बाद तत्काल आधार पर नया दस्तावेज बनवाने के लिए अब 8,500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है. पहले यह राशि 5,500 रुपये थी.

एक नजर में

हिसार में 15 ठग अरेस्ट

पंचकूला. हिसार पुलिस ने 15 साइबर अपराध मामलों में 15 आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही पीड़ितों के संदिग्ध लेनदेन को बरामद, वापस या रोक लगवाकर 58.46 लाख रुपये वापस पाने में मदद की है.

विदेशी मुद्रा भंडार स्थिर

नई दिल्ली. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 780.78 अरब डॉलर पर स्थिर रहा.

कूनो प्रोजेक्ट | भारत में पैदा हुई मादा चीता ने 4 शावक जन्मे, केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा- चार साल, चार नए जीवन

विदेशी चीतों से भारतीय पीढ़ी की किलकारी

नवभारत न्यूज नेटवर्क
श्योपुर/ग्वालियर, 18 सितंबर. प्रोजेक्ट चीता के 4 साल पूरे होने के एक दिन बाद आज 18 सितंबर को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में भारत में जन्मी मादा चीता ने 4 शावकों को जन्म दिया है. केंद्रीय पर्यावरण, वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए इसे चीता प्रोजेक्ट के लिए महत्वपूर्ण पल बताया है.

उन्होंने कहा कि यह चीता संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने इसे 'चार साल, चार नए जीवन' बताते हुए कहा कि यह भारत में चीता संरक्षण की बढ़ती सफलता और दृढ़ संकल्प का अच्छा प्रतीक है.नए शावकों के जन्म के बाद अब कूनो में अब चीतों की संख्या बढ़कर 53 हो गई हैं जिनमें 37 भारत में जन्मे हैं. मादा चीता केजीपी 12 का भारत में जन्म लेना और अब उसके शावकों को जन्म देना प्रोजेक्ट चीता के लिए महत्वपूर्ण है. इससे भारत में जन्मे चीतों के प्राकृतिक प्रजनन की प्रक्रिया बढ़ने का संकेत मिलता है. कूनो में चीतों की संख्या बढ़ाने और उनके लिए अनुकूल माहौल बनाने के प्रयासों के बीच चार नए शावकों का जन्म वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह सुखद खबर है. वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रोजेक्ट चीता से जुड़े पूरे परिवार को बधाई दी. सीसीएफ उत्तम कुमार शर्मा ने भी इस उपलब्धि की पुष्टि की है.

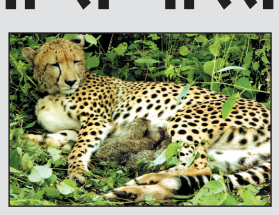

मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे मध्यप्रदेश के साथ ही प्रोजेक्ट चीता की सफलता और चीता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया. मुख्यमंत्री ने कूनो नेशनल पार्क की टीम और इस अभियान से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी है.